उपाध्यक्ष महोदयः माननीय गृह मंत्री जवाब दे रहे हैं। कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइए।

...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः मान्यवर उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रात:काल श्री मुलायम सिंह जी को मैंने वचन दिया था कि मैं अंग्रेजी में बोल रहा हूं लेकिन जवाब हिंदी में दूंगा। मुझे खेद है कि मेरे भाषा के प्रयोग के ऊपर इतनी टीका-टिप्पणी हुई और यहां तक कहा गया कि जो स्वभाषा का सम्मान नहीं करेगा वह स्वदेश के लिए क्या करेगा। मेरी यह कमजोरी है मान्यवर कि मेरी मातृभाषा हिंदी नहीं है। मेरी मातृभाषा सिंधी है।

श्री मुलायम सिंह यादवः आप सिंधी में बोलिये।

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः मेरी शिक्षण की भाषा अंग्रेजी रही है लेकिन मैंने प्रयत्नपूर्वक हिंदी सीखी है। ...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

श्री लाल कृष्ण आडवाणीः महोदय, माननीय प्रधान मंत्री आ गए हैं। क्या आप अभी उन्हें बीच में बोलने की अनुमति देंगे? ...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

उपाध्यक्ष महोदयः माननीय प्रधान मंत्री जी ने मुझसे अनुरोध किया था थोड़ा सा इंटरवेंशन करने के लिए। अगर हाउस अलाऊ करे तो प्रधान मंत्री जी को मैंने बुलाया है, उसके बाद होम-मिनिस्टर को बुलाएंगे।

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): उपाध्यक्ष महोदय, इस चर्चा में भाग लेने का मेरा इरादा नहीं था। ...*(व्यवधान)*

[अनुवाद]

उपाध्यक्ष महोदयः पहले ही विलम्ब हो चुका है। कृपया उनकी बातों को शांतिपूर्वक सुनें।

...*(व्यवधान)*

[हिन्दी]

श्री अटल बिहारी वाजपेयीः लेकिन जब मैंने सुना और पढ़ा कि मेरे बारे में विपक्ष की नेत्री श्रीमती सोनिया गांधी ने विशेष उल्लेख किया है तो मुझे अपना स्पष्टीकरण देना आवश्यक हो गया। शोर-शराबे में उनके शब्द सभी सदस्यों ने स्पष्टत: सुने या नहीं, मैं नहीं कह सकता। मैं समझता था कि चलते-चलते मेरा उल्लेख हो रहा है लेकिन जब बाद में मैंने पूरा भाषण पढ़ा तो मुझे लगा कि यह चलते-चलते नहीं है, यह छपते-छपते भी नहीं है, यह पूरी तरह से सोच-विचार करके भाषण दिया गया है। मैं उनके शब्दों को उद्धृत कर रहा हूं:

[अनुवाद]

"सरकार के मुखिया के रूप में प्रधान मंत्री को निर्णय करना है कि क्या उनका मुख्य कर्तव्य भारत के लोगों का कल्याण करना है अथवा अपने दल और उसके सहयोगी संगठनों के आंतरिक दबाव के समक्ष घुटने टेकना है।"

[हिन्दी]

इसका क्या मतलब है? श्रीमती सोनिया गांधी क्या कहना चाहती हैं? उन्होंने प्रधान मंत्री के नाते मेरे प्राथमिक कर्तव्य की याद दिलायी है। जैसे और कर्तव्य महत्वपूर्ण नहीं हैं। परिवार के दबाव में आना या नहीं आना, अपना कर्तव्य पूरा करना या नहीं करना और कर्तव्य की सबसे बड़ी कसौटी उनकी यही है कि मैं कहीं अन्य संबंधित संगठनों के दबाव में तो नहीं आ रहा हूं। जो हमारे परिवार का मामला है, उसमें सोनिया जी दखल न दें। मैं प्रधान मंत्री कांग्रेस की कृपा से नहीं हूं, कांग्रेस के विरोध के बावजूद हूं और जब तक लोग मुझे चाहते हैं, मैं रहूंगा लेकिन अब मेरे बारे में इतनी रुचि लेने की आवश्यकता क्या है? फिर आगे सवाल देखिए।

[अनुवाद]

"क्या वे अपने नेतृत्व में कमजोर और दबाव के समक्ष झुकने वाले बने रहेंगे या, इस उच्च पद की गरिमा को बनाए रखेंगे।"

[हिन्दी]

इसके पीछे क्या भावनाएं हैं? यह कहने का मतलब क्या है? यह मेरे ऊपर आरोप है कि मैं दबाव में काम कर रहा हूं, गलत है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं किसी के दबाव में काम नहीं करता। पार्लियामैंट का जीवन इस बात का साक्षी है। 1961 में संयुक्त बैठक में जो मैंने भाषण दिया था, मैं उसे अभी पढ़ रहा था। वह दहेज के सवाल पर संयुक्त बैठक हुई थी। मैंने उस समय दहेज का विरोध किया था। मुझे बाद में चर्चा में सुनना पड़ा कि आप

पुरातनवादी हैं, परम्परावादी हैं, यहां दहेज का विरोध क्यों कर रहे हैं?

श्री मुलायम सिंह यादव: न आपने दहेज लिया है और न दहेज दिया है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी: उपाध्यक्ष महोदय, यह 1961 की बात है। मैं 1957 में पहली बार लोक सभा का सदस्य प्रतिपक्ष की ओर से चुना गया। अगर मैं दबाव में काम करता तो फिर पता नहीं क्या हो जाता? दबाव में काम करने का मतलब है किसी के दबाव में? *...(व्यवधान)* आपको बड़ी चिन्ता हो रही है कि मैं किसी के दबाव में न रहूं। अभी कहा जा रहा है कि हम परिवार के दबाव में हैं। हमारे वामपंथी सदस्य कहते हैं कि हम अमरीका या विदेशी शक्तियों के दबाव में हैं। अगर हम दबाव में है और दबाव में काम करते हैं तो फिर मेरा दल और मेरे मित्र दल मेरा समर्थन क्यों कर रहे हैं? इसका औचित्य क्या है? वे जानते है कि मैं दबाव में काम नहीं करता। संसार का विरोध मोल लेकर हमने अणु परीक्षण किया, हम किसी दबाव में नहीं आये। परीक्षण के मामले में हमारे एक पूर्व प्रधानमंत्री ने किस तरह का व्यवहार किया था, मैं सारा चिट्ठा सदन के सामने रख सकता हूं। एक बार परीक्षण करने के लिए गड्ढा खोद दिया गया था, सुरंग तैयार हो गई थी, परीक्षण की तिथि तय हो गई थी, मगर ऐन वक्त पर परीक्षण को रद्द कर दिया गया क्योंकि विदेशी दबाव था। मैं दबाव में काम नहीं करता *...(व्यवधान)* आप चुप रहिये। एक सीमा होती है सुनने की।

उपाध्यक्ष महोदय, जब कारगिल का युद्ध चल रहा था तो राष्ट्रपति क्लिंटन ने न्यूयार्क और वाशिंगटन में मुझे बुलाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के प्रधान मंत्री आ गए हैं, आप भी आ जाइये। दोनों मिलकर बैठिए, हम सवालों को तय करेंगे। हमने कहा कि जब तक पाकिस्तान के कब्जे में भारत की हमारी एक इंच भूमि भी है, तब तक मैं बात नहीं करूंगा। मैं अमरीका नहीं गया, अमरीका के दबाव में नहीं आया *...(व्यवधान)* इन लोगों को क्यों बेचैनी हो रही है? मुझे टोकने का क्या मतलब है? आपको सच बात सुनना कड़वा लगता है। इसके आगे देखिए-उनकी परीक्षा का दिन आ गया है।

[हिन्दी]

यह नेता विरोधी दल का भाषण है। ये प्रधानमंत्री के खिलाफ बोली गई भाषायें हैं, इसका भाव क्या है? मेरी परीक्षा का दिन आ गया है, इसका क्या मतलब है? मैं रोज-रोज परीक्षा दे रहा हूं। जब सोनिया जी राजनीति से कोसों दूर थीं, तब से मैं इस सदन में, इस संसद में व्यवहार कर रहा हूं। आज मुझे कटघरे में खड़ा किया जा रहा है। उन्हें क्या अधिकार है? *...(व्यवधान)*

[अनुवाद]

उपाध्यक्ष महोदय: कृपया व्यवस्था बनाये रखें।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइये।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मुझे सभा का संचालन करने दीजिए।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: सभी माननीय सदस्य कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जायें।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मैं आप सभी से अनुरोध करता हूं कि अपने-अपने स्थान पर बैठ जाइये। यदि कोई समस्या है, तो हम निश्चित रूप से उसका समाधान ढूंढ़ सकते हैं।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: क्या आप कृपया अपने स्थान पर बैठेंगे?

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मैं आप सभी से अपने-अपने स्थान पर बैठने का अनुरोध करता हूं।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: सभी माननीय सदस्य कृपया अपने-अपने स्थान पर बैठ जायें। यदि कोई आपत्तिजनक बात है अथवा किसी समस्या का समाधान करना है तो हम उसे सुन सकते हैं और उसका समाधान खोज सकते हैं। अब, कृपया आप अपने स्थान पर जाइये।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय: मैं आपसे अपने-अपने स्थान पर बैठने का अनुरोध करता हूं। यदि कोई समस्या है, तो उसका समाधान निकालना होगा, हम इसका तभी समाधान निकाल सकते हैं जब आप अध्यक्षपीठ को सहयोग दें। कृपया अब अपने स्थान पर बैठ जाइये।

...(व्यवधान)